RNINO:UPHIN39324/2009
डाकपंजीयन:क्री/आजमगढ़/एन0पी0-119/15-16
Email: vvnewsvaashvara.123@gmail.com
8006305151
9410149826

हर खबर पर पैनी नजर

VV NEWS वैशवारा

साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष: 1 अंक: 3 | रविवार 21 फरवरी 2021 | देहरादून | मूल्य: 5 | पृष्ठ: 8

प्रदेश काँगेस की कलह खुलकर सामने आई, हरीश रावत के एक ट्वीट से मचा हड़कंप

सागर मलिक

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में जारी कलह खुलकर सामने आ गई है. पूर्व सीएम हरीश रावत के ताजा ट्वीट से मामले ने और तूल पकड़ लिया है. रावत ने अपने विरोधियों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जो लोग बीते विधानसभा चुनावों में अपनी विधानसभा से बाहर प्रचार के लिए नहीं जा पाए, वे मुझसे 59 सीटों पर हार का हिसाब चाहते हैं.

पिथौरागढ़. उत्तराखंड कांग्रेस में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत को %सूबेदार% बनाने की मांग जिस तेजी से जोर पकड़ती है, उसी तेजी से हाईकमान सामुहिक नेतृत्व का ऐलान भी करता है. बावजूद इसके संगठन में रार थमती नहीं दिख रही है. कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व सीएम हरीश रावत के ताजा ट्वीट से मामला और तूल पकड़ता दिख रहा है. रावत ने ट्वीट कर कहा है कि जो लोग बीते विधानसभा चुनावों

में अपनी विधानसभा से बाहर प्रचार के लिए नहीं जा पाए, वे मुझसे 59 सीटों पर हार का हिसाब चाहते हैं. यही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री रावत ये भी कहते हैं कि 217 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने 94 सार्वजनिक सभाएं कीं किच्छा में सिर्फ नामांकन के दौरान ही जा पाए, वहीं हरिद्वार ग्रामीण सीट में तो वे एक दिन भी प्रचार में नहीं गए. दोनों सीटों में हरीश रावत मुख्यमंत्री के रूप में चुनावी मौदान में उतरे थे और दोनों सीटों पर उन्हें हार का स्वाद चखना पड़ा था. कांग्रेस के भीतर उनके विरोधी नेता इस बात को बार-बार कहते आए हैं कि साल 217 के विधानसभा चुनावों में %सबकी चाहत, हरीश रावत% नारा दिया था लेकिन इस नारे की जनता ने पूरी तरह हवा निकाल दी.

सीएम रहते हुए रावत खुद तो दोनों सीटों से हारे ही, साथ ही पार्टी ने अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन उत्तराखंड में किया. बीते विधानसभा चुनावों में कांग्रेस 7 में से सिर्फ 11 सीटों पर ही जीत पाई थी. पूर्व सीएम हरीश रावत अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए सवाल करते हैं कि क्या कारण कारण है जो चुनावी जीत के विशेषज्ञ है, उनके चारों तरफ सीटों पर कांग्रेस 27 से ही हार रही है?

रावत के ताजा ट्वीट से साफ है कि उत्तराखंड कांग्रेस में मची रार न तो थमी है और न ही कम हुई है. चमोली आपदा में राहत कार्यों को लेकर भी हरीश रावत, मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह हरावत की पीठ थपथपा चुके हैं. माना जा रहा है कि बार-बार त्रिवेन्द्र सरकार की तारीफ करना भी हरीश रावत का कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बनाने की रणनीति का ही हिस्सा है.

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ राष्ट्रीय अधिवेशन-2021 राज्यपाल ने किया प्रतिभाग

वी वी न्यूज

देहरादून। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने विगत रविवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ राष्ट्रीय अधिवेशन-221 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे, जिसमें महापीठ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश राठौर भी उपस्थित थे।

राज्यपाल मौर्य ने कहा है, संत रविदास किसी जाति या समुदाय विशेष के गुरू नही थे, बल्कि वे समस्त मानव जाति के मार्गदर्शक थे। उनके आदर्श एवं संदेश सम्पूर्ण मानवता को सदियों से प्रेरित कर रहे हैं।

सालगिरह पर पंजाबी समाज ने शुभकामनाएं दी

वी वी न्यूज

देहरादून। उपमा आज का दिन बड़ा ही खुशी का है... हमारे अति सम्मानित पंजाबियों के हितैषी समाज सेवक, अति प्रिय प्रदेश अध्यक्ष श्री राजीव घई जी की सालगिरह पर पूरे उत्तरांचल पंजाबी के भाई बहनों की ओर से करोड़ करोड़ बधाई।

उपमा मे पिछले लगभग बीस बर्षों से और अन्य संस्थाओं से जुड़े सामाज सेवा करते आ रहे और हमारी अति सम्मानित भाभी जी के हर सम्भव सहयोग से आज हमारे बड़े भाई (घई जी) पूरे प्रदेश में

पंजाबियों को ऊचाईयों पर ले जाने के लिए हर कार्य कर रहे हैं।

हम आपके द्वारा दिए गए मार्गदर्शक पर उत्तराखण्ड मे पंजाबियों के लिए एक अलग सी पहचान बनाने में जो कार्य हम कर रहे हैं उसमें आपके सहयोग की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा के सभी पदाधिकारी और सदस्य उस पूज्य पिता परमात्मा वाहेगुरू गुरु जी के चरणों में दो हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं कि आपको सुहाग जोड़ी, स्वास्थ्य और दीर्घायु बनी रहे और खुशियां सदा सदा बनी रहे 7 तुम जियो हजारों साल... साल के दिन हो पचास हजार।

समस्त पदाधिकारी और सदस्य

उत्तरांचल पंजाबी महासभा

रजिस्ट्रड।

दीपक जेठी अम्बेडकर नगर मंडल मंत्री नियुक्त हुए

देहरादून, संवाददाता। मेरे अम्बेडकर मंडल युवा मोर्चा से मंत्री नियुक्त होने पर समस्त डंडिपुर वार्ड 22 तिलक रोड छेत्र वासियों द्वारा मेरे सुख दुख के साथी रोशन राणा जी मेरे प्यारे भाई अनीत बेरी जी हेमंत विरमानी जी जतिन विरमानी जी हर्ष सुरी जी द्वारा मेरा भव्य स्वागत कर अपना प्यार व आशीर्वाद दिया आपका हार्दिक आभार

राजनीतिक भूचाल, आम आदमी पार्टी के एक बयान से आया राजनीतिक भूचाल

सागर मलिक

देहरादून। उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव 222 से पहले अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश में है. इसी बीच उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया ने अपने एक एक बयान से राजनीतिक भूचाल ला दिया है. मोहनिया का कहना है कि उत्तराखंड में बीजेपी-कांग्रेस के विधायक उनके संपर्क में हैं. हालांकि, कांग्रेस-बीजेपी ने उनके बयान को खारिज कर दिया है.

देहादून उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी की तरफ से आए एक बयान ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है. आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया का कहना है कि उत्तराखंड में बीजेपी और कांग्रेस के विधायक उनके संपर्क में हैं. मोहनिया का कहना है कि एक मंत्री और 4 विधायक जिसमें बीजेपी और कांग्रेस दोनों के विधायक शानिल हैं, चुनाव से पहले ये नेता आम आदमी पार्टी को जॉइन करेंगे.

मोहनिया की मानें, तो 5 नेताओं की उनसे मुलाकात हो चुकी है लेकिन वो नाम नहीं बताना चाहते और वक्त आने पर सब पता चल जाएगा. मोहनिया का दावा है कि साल 222 के चुनाव से पहले ना सिर्फ 5 बल्कि और इससे भी ज़्यादा विधायक चुमाव से पहले आएंगे. वहीं बीजेपी और कांग्रेस को आने वाले चुमाव में बड़ी चुनौती मिलेगी. हालांकि मोहनिया किसी भी नेता का नाम खोंलने को राजी नहीं हैं.

बीजेपी-कांग्रेस ने दावे को बताया झूठा

आम आदमी पार्टी के प्रभारी दिनेश मोहनिया भले हो विधायको के संपर्क में होने का दावा कर रहे हों, लेकिम कांग्रेस और बीजेपी का कहना है कि आम आदमी पार्टी के दावे हवाहवाई हैं. बीजेपी के प्रदेश प्रभारी का कहना है कि आम आदमी पार्टी का कुछ नहीं होने वाला, आम आदमी पार्टी सिर्फ बात करती है, कोई काम नहीं करती. बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता

खजान दास का कहना है कि आम आदमी पार्टी का सिक्का दिल्ली में भले हो चला हो, लेकिन उत्तराखंड में कुछ नहीं होने वाला. इसलिए आम आदमी पार्टी सिर्फ बिना आधार के दावे कर रही है. खजान दास का कहना है कि उत्तराखंड में सिर्फ बीजेपी है, और बीजेपी में हर पार्टी के नेता का स्वागत है और 222 में भी सरकार बीजेपी ही बनाएगी.

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि बात करने और कहने में क्या जाता है, ऐसे ही बिना मतलब की बातें आम आदमी पार्टी कर रही है. लेकिन उन्हें उत्तराखंड का पता नबी है, कि यहां उनके हाथ कुछ भी नहीं आने वाला है।

सम्पादकीय

एलएसी पर फिर दगा दे सकता है चीन, सर्दियां खत्म होने के बाद बदल सकती है उसकी नीयत

महीने तक लद्दाख के पैंगोंग झील इलाके में भारी जमावड़े के बाद भारतीय और चीनी सेनाओं द्वारा अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाने से दोनों देशों के बीच सैनिक तनाव कुछ कम तो जरूर हुआ है, लेकिन भारत में अभी भी चीन की नीयत के प्रति संदेह कम नहीं हो रहा है। संसद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि लंबी आनाकानी के बाद चीन पीछे हटने को इस कारण राजी हुआ कि उसे समझ आ गया कि भारत चीनी दादागीरी के आगे झुक जाने की नीति छोड़ चुका है और अब वह अपनी एक इंच जमीन भी नहीं छोड़ेगा। रक्षामंत्री ने खास तौर से कैलास पर्वत शृंखला की दुर्गम चोटियों पर भारतीय सेना के मोर्चा संभालने का जिक्र किया, जिसके कारण पूरे इलाके पर उसका दबदबा बन गया था और चीनी सेना के लिए हालात चिंताजनक हो गए थे, लेकिन रक्षा विषेशज्ञों को चिंता है कि अगर चीन किसी दिन मुकर गया तो उसके लिए फौज और टैंकों को फिर से फिंगर-4 तक लाना बहुत मुश्किल नहीं होगा। क्या इस स्थिति में भारतीय सेना उतने आराम से फिर से कैलास की चोटियों पर मोर्चे बना सकेगी? रक्षा विषेशज्ञों को इस पर शंका है कि चीन अधिक समय तक आक्रामक रवैया छोड़कर शांत बैठा रहेगा। वे गलवन घाटी में चीनी सैनिकों की उस हरकत की याद दिला रहे हैं, जब चीनी सैनिकों ने अचानक भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया था। चीन का इतिहास बताता है कि वह कोई भी समझौता अपनी सुविधा और मजबूरी के तहत ही करता है। परिस्थितियां बदलने पर या हालात अपने अनुकूल होने पर पिछले वादों और सहमतियों को ताक पर रखकर नया आक्रामक रवैया अपना लेना उसके व्यवहार का हिस्सा बन चुका है। इसलिए पैंगोंग झील के इलाके में मौजूदा शांति का अर्थ यह कतई नहीं लिया जा सकता कि इस इलाके में चीन और भारत का विवाद हल हो गया है और भविष्य में चीनी सेना वहां पर फिर से घुसने का प्रयास नहीं करेगी। पिछले कई दशकों में यह पहला अवसर है जब किसी इलाके में घुस आने और अपनी चौकियां बना लेने के बाद चीन अपनी सेना को वापस बुलाने पर राजी हुआ। पैंगोंग झील इलाके में चीन के पीछे हटने के कई आयाम हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना बहुत जरूरी है। पहली बात यह कि लद्दाख के गलवन, हॉट स्प्रिंग-गोगरा और देपसांग में विवाद अभी ज्यों का त्यों है। ये सभी इलाके हिमालय के बहुत ऊंचे हिस्से में हैं, जहां सर्दियां अत्यधिक कठिन होती हैं। चीनी सेना के लिए यह पहला मौका है, जब किसी टकराव वाली हालत में उसे इतने ठंडे इलाके में तैनात किया गया, जबकि भारतीय सेना को गलवन के निकट सियाचिन में पाकिस्तान से लोहा लेने का बहुत लंबा अनुभव है। चीनी सेना के पैंगोंग से पीछे हटने का एक कारण यह भी है कि वह सर्दियों में हथियारबंद टकराव को टालना चाहता था। इसलिए सर्दियां खत्म होने के बाद चीन की नीयत फिर से नहीं बदल जाएगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

दूसरे, चीनी सेना के लिए इस इलाके में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भारत ने दरबुक से श्योक नदी और अक्साई चिन से एकदम सटी हुई अपनी हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी तक सड़क बना ली है, जो गलवन से होकर गुजरती है। इस सड़क ने भारतीय सेना को सियाचिन तक के इलाके पर अपनी पकड़ मजबूत करने की सुविधा दे दी है। इसके कारण चीन के कराकोरम राजमार्ग पर खतरा बहुत बढ़ गया है। तीसरा कारण यह है कि गलवन में हमले का फैसला बीजिंग के निर्देश पर हुआ। बीजिंग के लिए परेशानी की एक बड़ी बात यह थी कि मोदी सरकार ने अपने सैन्य नेतृत्व को चीनी सेना की किसी भी हरकत से निपटने के लिए खुद फैसला करने और मौके पर तुरंत कार्रवाई करने की छूट दे दी थी। इससे पहले नई दिल्ली ने सेना के हाथ बांधे हुए थे और जवाबी कार्रवाई के लिए किसी सैन्य फैसले पर अमल करने से पहले सैन्य नेतृत्व को रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय की अफसरशाही की फाइलों के लंबे गलियारों में इतना ज्यादा समय नष्ट करना पड़ता था कि तब तक चीनी सेना कब्जा करने के बाद पक्के मोर्चे भी बना चुकी होती थी। लद्दाख में चीन ने जो कार्रवाई की, उसके पीछे चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का यह इरादा था कि सीमित लड़ाई में लद्दाख का मोर्चा फतह कर वह कम्युनिस्ट पार्टी के शताब्दी सम्मेलन में हीरो बनकर उभरेंगे, लेकिन भारतीय सेना ने चीनी सेना को जैसी चुनौती दी, उसके बाद उन्हें डर सताने लगा कि लंबे समय तक सीमा पर भारत के साथ उलझे रहने से उनकी छवि एक कमजोर नेता की बनेगी और आजीवन पद पर बने रहने के बजाय 'लेने के देने' भी पड़ सकते हैं। चूंकि यह आशंका है कि चीन सीमा पर फिर से कोई हरकत कर सकता है इसलिए भारत को उससे निपटने के लिए एक नई रणनीति अपनाने की जरूरत है। मोदी सरकार को यह समझना जरूरी है कि चीन के इरादों से आत्मरक्षा पर टिकी पुरानी नीति से नहीं निपटा जा सकता। आर्थिक और सैनिक शक्ति बढ़ने के साथ चीन का दंभ बढ़ता जा रहा है। चीन रावण सरीखा बन चुका है। उसके सिरों को उगने से तब तक नहीं रोका जा सकता, जब तक उसकी नाभि के अमृतकुंड को नहीं सुखा दिया जाए। आज के चीन के असली अमृतकलश तिब्बत, शिनजियांग और दक्षिणी मंगोलिया जैसे उपनिवेश हैं। इनके अथाह स्रोतों को लूटकर वह अपना आर्थिक साम्राज्य खड़ा किए हुए है और भारत, नेपाल, भूटान और मध्य एशिया के देशों की नाक में दम किए हुए है। चीन का इलाज गलवन, पैंगोंग और देपसांग में एक या दो किलोमीटर हिस्से के लिए वार्तालाप की मेज पर आने से नहीं होगा। इसके बजाय भारत के लिए सही रणनीति यह होगी कि वह तिब्बत और शिनजियांग पर चीन के औपनिवेशिक कब्जे को चुनौती देते हुए उसे बताए कि तिब्बत की जिस जमीन पर खड़ा होकर वह लद्दाख और अरुणाचल के भूभाग पर दावे करता आ रहा है और सैनिक धमकियां दे रहा है, वहां उसकी खुद की उपस्थिति गैरकानूनी है। अगर मोदी सरकार चीन को इस सच का आईना दिखाने का साहस करती है तो तिब्बत की आजादी के इच्छुक अमेरिका, यूरोप और जापान इस अभियान में कूदने को तैयार हैं।

जर्मनी में ब्रिटेन से आया कोरोना का नया वेरिएंट ज्यादा घातक और तेजी से फैलने वाला हो गया है। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री जेंस स्पान ने बताया कि ब्रिटेन का यह वेरिएंट देश में अब ज्यादा घातक हो गया है। यह स्ट्रेन लोगों को ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है।

कोरोना पर तकरार, अब चीन ने WHO से की अमेरिका में वायरस की उत्पत्ति की जांच की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना महामारी को लेकर चीन और अमेरिका में तकरार जारी है। चीन ने अब अमेरिका में वायरस की उत्पत्ति की जांच करने की मांग कर दी है। उसका यह बयान वुहान में कोरोना वायरस की उत्पत्ति पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की टिप्पणी के बाद आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चीन की तरह अमेरिका वायरस की उत्पत्ति की जांच पर सकारात्मक रवैया दिखाएगा और इसके क लिए डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञों को आमंत्रित करेगा।

इसी तरह, चीन के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल में मुख्य महामारी विशेषज्ञ ज़ेंग गुआंग ने कहा कि अब वायरस की उत्पति का पता लगाने के लिए वैश्विक प्रयासों का ध्यान अमेरिका पर होना चाहिए। सीएनएन ने इसकी जानकारी दी है। वुहान में कोरोना के स्त्रोत की जांच करने वाली डब्ल्यूएचओ की टीम ने अपने बयान कहा था कि चीन में किसी भी पशु प्रजाति में कोरोनो वायरस के संचार का कोई सबूत नहीं है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, वुहान में डब्ल्यूएचओ मिशन के प्रमुख पीटर बेन एम्बरेक ने वायरस के वुहान लैब से से लीक होने के दावे को भी खारिज कर दिया था। इस बयान के बाद डब्ल्यूएचओ की जांच को लेकर अमेरिका भड़क गया था। उसने वुहान में कोरोना की उत्पत्ति को लेकर जांच में चीनी सरकार के हस्तक्षेप की संभावना पर चिंता जाहिर कर दी थी।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलीवन ने कहा था कि जांच को लेकर चीन के रवैये से चिंतित होना लाजिमी है। वैज्ञानिक जांच में किसी भी तरह की दखलंदाजी नहीं होनी चाहिए। भविष्य में ऐसी महामारी से निपटने के लिए यह आवश्यक है कि कोरोना महामारी को ठीक से समझा जाए। उन्होंने कहा कि चीन को कोरोना के प्रारंभिक स्तर के संपूर्ण आंकड़ों को जांच टीम को उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में डब्ल्यूएचओ की विश्वसनीयता सर्वोपरि होनी चाहिए।

विवादित एक बच्चे की नीति के बाद चीन अब आबादी बढ़ाने की दिशा में चिंतित

बीजिंग, एजेंसी। विश्व की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश चीन एक बार फिर अपने यहां जन्मदर बढ़ाने की कवायद शुरू करने वाला है। चीन ने चार साल पहले तक विवादित एक बच्चे की नीति का अनुसरण करता था। दशकों तक चीन ने अपने यहां जनसंख्या पर कड़ा नियंत्रण रखने के उपाय किए थे। उस समय उसकी दलील थी कि सीमित संसाधनों को बचाना जरूरी है। चीन घटती जन्मदर को रोकना चाहता है।

अब वह जन्मदर बढ़ने को आर्थिक उन्नति और सामाजिक स्थिरता के लिए जरूरी मान रहा है। चीन ने कहा है कि वह जन्मदर बढ़ाने के लिए पहले अपने यहां उत्तरपूर्वी क्षेत्र पर ध्यान देगा। यह क्षेत्र पुराने समय का औद्योगिक उदय माना जाता है। यहां जनसंख्या में भारी गिरावट आ गई है। नौजवान और उनके परिवार बेहतर अवसरों के लिए यहां से पलायन कर गए हैं। अधिकारियों के अनुसार पिछले साल जन्म दर में 15.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। चीन में 2010 की जनगणना के अनुसार एक अरब 34 करोड़ जनसंख्या थी। वार्षिक जन्मदर 0.57 फीसद रही। जबकि एक दशक पहले जन्मदर 1.07 फीसद थी। जन्मदर को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार 2027 तक भारत आबादी के लिहाज से चीन को पछाड़ देगा।

गौरतलब है कि चीन की आबादी तकरीबन एक अरब 40 करोड़ से ज्यादा है। यह दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। कुछ दशक पहले तक चीन की लगातार बढ़ रही आबादी उसके लिए चिंता का सबब बनी हुई थी। अपनी बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए चीन ने वर्ष 1979 में एक बच्चे की नीति बना दी। इसके तहत केवल एक ही बच्चा पैदा करने की अनुमति थी। हालांकि कुछ साल पहले चीन को एहसास हुआ कि देश में बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है, उसके अनुपात में युवाओं की जनसंख्या काफी कम हो रही है। लिहाजा वर्ष 2016 में चीन ने एक बच्चे की नीति को निरस्त कर दो बच्चों की नीति बना दी। मतलब चीन में अब एक कपल दो बच्चे पैदा कर सकता है।

बासमती चावल के बाद अब सेंधा नमक की जीआइ टैंगिग कराने की कोशिश में पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान हर उस मुद्दे पर विवाद खड़ा करना चाहता है, जो भारत से संबंधित है। अब उसने हिमालय क्षेत्र में पाए जाने वाले गुलाबी साल्ट की जीआइ टैंगिंग कराने का फैसला किया है। गुलाबी नमक को सेंधा नमक या हिमालयन साल्ट भी कहा जाता है। इस नमक का इस्तेमाल भारत में व्रत और त्योहारों पर बहुत किया जाता है। पाकिस्तान चाहता है कि इस नमक पर उसका एकाधिकार रहे। यह निर्णय पाकिस्तान में इंटैलेक्चुअल प्रोपर्टी आर्गनाइजेशन (आइपीओ) ने एक बैठक में लिया है। इस संबंध में जारी आधिकारिक घोषणा में कहा है किया है कि कई उत्पादों और क्षेत्रों के जियोग्राफिकल आइडेंटिफिकेशन (जीआइ) के संबंध में वार्ता हुई है। हिमालयन साल्ट की जीआइ टैगिंग किए जाने का निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो कि पाकिस्तान पूर्व में ही बासमती चावल को अपने यहां का उत्पाद बताकर यूरोपियन यूनियन में भारत से मुकदमा लड़ रहा है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अब हम सेंधा नमक की जीआइ टैगिंग कराने जा रहे हैं। ऐसा करने से हमारे उत्पादों का वैश्विक स्तर पर व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

केरल और महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों से चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल और महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों की लापरवाही से मामले बढ़ रहे हैं। इसके अलावा लोकल ट्रेनों के संचालन से भी संक्रमण फैल रहा है। विशेषज्ञों ने लोगों से कोरोना वायरस से बचाव के उपायों पर सख्ती के साथ अमल करने का अनुरोध किया है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) में महामारी विज्ञान और संचारी रोग विभाग के प्रमुख डॉ. समीरन पांडा ने कहा, मामलों का बढ़ना हमेशा ही चिंता का कारण है। सिर्फ युवा ही संक्रमित नहीं हो रहे हैं, बल्कि गंभीर रोगों से ग्रसित बड़े लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं, जो चिंता की सबसे बड़ी वजह है।

डॉ. समीरन पांडा ने लोगों से कोरोना से बचाव के उपायों का पालन करते रहने का अनुरोध किया। पांडा ने कहा कि वैक्सीन आ गई है, लेकिन यह भी बचाव का एक साधन ही है। इसलिए शारीरिक दूरी बनाए रखने और कम से कम सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने की जरूरत है। अगर लोग शादी समारोह में जाएंगे, पार्टी करेंगे तो संक्रमण बढ़ेगा ही। विषाणु विज्ञान विशेषज्ञ शाहीद जमील ने कहा कि कोरोना संक्रमितों के बढ़ने का सीधा कारण गतिविधियों और लापरवाही में वृद्धि है। उन्होंने कहा, ज्यादातर लोगों ने मान लिया है कि महामारी खत्म हो गई और मास्क पहनना छोड़ दिया है। इस बीच लोगों के बीच संपर्क भी बढ़ा है। मुंबई में लोकल ट्रेनें भी चलने लगी हैं, यह भी मामलों के बढ़ने का कारण है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में बीते चौबीस घंटों के दौरान 13,193 नए मामले मिले हैं, जिनमें से अकेले केरल में ही 4,584 संक्रमित शामिल हैं। मुंबई में दिसंबर के बाद रिकॉर्ड 823 नए केस सामने आए हैं। देश में 19 दिनों बाद एक दिन में इतने ज्यादा नए केस मिले हैं।

संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ नौ लाख 63 हजार को पार कर गया है। इनमें से एक करोड़ छह लाख 67 हजार मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और 1,56,111 लोगों की मौत हो चुकी है। सक्रिय मामले फिर बढ़कर 1,39,542 हो गए हैं, जो कुल मामलों का 1.27 फीसद है। तीन दिन पहले सक्रिय मामले 1.35 लाख तक आ गए थे।

महाराष्ट्र में बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों से मास्क पहनने की अपील की है। शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने पुणे के शिवनेरी फोर्ट पहुंचे उद्धव ने कहा कि छत्रपति ने युद्ध में बचाव के लिए तलवार और ढाल का इस्तेमाल किया था, लेकिन कोरोना के खिलाफ युद्ध में बचाव का एक मात्र हथियार मास्क ही है। कोरोना महामारी पर महाराष्ट्र सरकार के तकनीकी सलाहकार डॉ. सुभाष सालुंके ने कहा कि अमरावती जिले में संक्रमण के बढ़ने का कारण वायरस में आया बदलाव और लोगों की लापरवाही है। उन्होंने कहा कि जिले से लिए गए नमूनों में वायरस में बदलाव का पता चला है, जिससे गंभीर रोग से ग्रसित लोगों के लिए बहुत ही खतरा है। हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अमरावती के साथ ही यवतमाल और अकोला में वायरस के विदेशी वैरिएंट से संक्रमण का कोई मामला नहीं मिला है।

कट्टरवादी संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया की सभा के आयोजक व झंडा फहराने वालों पर केस

उज्जैन, एजेंसी। कट्टरवादी संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (PFI) के खिलाफ बुधवार को 14वां स्थापना दिवस मनाने के दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश पर आयोजकों पर धारा 188 (प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन) में दो केस दर्ज किए गए हैं। एएसपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि पीएफआइ ने बुधवार रात नागौरी मोहल्ले में सभा की थी। सभा की अनुमति रात 10 बजे तक थी और आयोजन में 100 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई थी, मगर आयोजकों ने रात 10.40 बजे तक सभा की और ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग किया। इसके अलावा सभा में 100 से अधिक लोग शामिल हुए थे। महाकाल थाना पुलिस ने आयोजक अदनान नागौरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। दूसरा मामला कोतवाली पुलिस ने दर्ज किया है। पीएफआइ ने बुधवार सुबह 8.30 बजे कोतवाली थाना क्षेत्र के लाल मस्जिद चौराहे पर संगठन का झंडा फहराया था। इसकी भी अनुमति नहीं ली गई थी। सुमन माली निवासी राजीव नगर ने कलेक्टर के आदेश के उल्लंघन व धार्मिक भावना भड़काने की शिकायत की थी। इस पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 188 के तहत के केस दर्ज किया गया है।

लॉकर की सुरक्षा बैंकों का दायित्व, बैंकों के लिए जारी किए ये दिशा-निर्देश: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि लॉकर की सुरक्षा व संचालन में जरूरी सावधानी बरतना बैंकों का दायित्व है। बैंक अपनी जिम्मेदारी से हाथ नहीं झाड़ सकते। ग्राहक बैंक में लॉकर सुविधा यह सुनिश्चित करने के लिए लेता है कि वहां उसकी संपत्ति और चीजें सुरक्षित रखी जाएंगी। बैंकों के जिम्मेदारी से हाथ झाड़ लेने से न सिर्फ उपभोक्ता संरक्षण कानून के प्रविधानों का उल्लंघन होगा बल्कि निवेशक का भरोसा भी टूटेगा। सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को आदेश दिया है कि वह छह महीने के भीतर लॉकर सुविधा या सुरक्षित धरोहर प्रबंधन के बारे में उचित रेगुलेशन जारी करे। कोर्ट ने साफ किया है कि बैंकों को इस बारे में एकतरफा नियम तय करने की छूट नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने बैंक लॉकर प्रबंधन के बारे में बैंकों के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। आरबीआइ का नियम जारी होने तक बैंकों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। यह फैसला शुक्रवार को न्यायमूर्ति एमएम शांतनगौडर और विनीत सरन की पीठ ने यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के खिलाफ दाखिल एक ग्राहक अमिताभ दासगुप्ता की याचिका पर सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया को उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत सेवा में कमी का जिम्मेदार ठहराते हुए याचिकाकर्ता को पांच लाख रुपये हर्जाना और एक लाख रुपये मुकदमा खर्च अदा करने का आदेश दिया है।

अमिताभ दासगुप्ता ने बैंक पर आरोप लगाया था कि लॉकर का किराया देने के बावजूद बैंक ने समय से किराया अदा न करने के आधार पर उसका लॉकर उसे बताए बगैर तोड़ दिया। लॉकर तोड़ने की सूचना भी उसे नहीं दी। जब वह करीब साल भर बाद लॉकर संचालित करने बैंक गया तब उसे इसकी जानकारी हुई और बैंक ने लॉकर में रखे उसके सात आभूषण वापस नहीं किए। सिर्फ दो ही आभूषण वापस किए। इस मामले में बैंक ने आभूषणों की संख्या को लेकर विवाद उठाया था। राज्य उपभोक्ता आयोग और राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने आभूषणों के विवाद के बारे में याचिकाकर्ता को दीवानी अदालत जाने को कहा था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है बिना किसी तर्कसंगत कारण के बैंक ने याचिकाकर्ता का लॉकर उसे बताए बगैर तोड़ दिया।

तेज टीकाकरण के मामले में दूसरे स्थान पर भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना के खिलाफ तेज टीकाकरण के मामले में भारत दुनिया में अब दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। तेजी से टीकाकरण के मामले में भारत से आगे अब केवल अमेरिका ही है। मंत्रालय का कहना है कि बीते 34 दिनों में ही देश में एक करोड़ से ज्यादा लोगों के कोविड टीकाकरण का आंकड़ा हासिल कर लिया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक अमेरिका ने 31 दिनों में इस आंकड़े को हासिल किया था जबकि ब्रिटेन ने इसे 56 दिनों में पूरा किया था। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चा पर तैनात कर्मियों से गुजारिश की है कि वे तय योजना के मुताबिक कोरोना संक्रमण रोधी वैक्सीन लगवाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए लाए गए दोनों टीके सुरक्षित हैं और प्रतिरोधक क्षमता के सभी मानकों को पूरा करते हैं। अतः किसी भी अफवाह या गलत सूचना पर ध्यान नहीं दिया जाए। अब तक टीकाकरण का कोई भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 18 फरवरी को एक दिन में सबसे अधिक वैक्सीनेशन डोज दिए गए। गुरुवार को वैक्सीन की 6,58,674 डोज दी गई। देश में अब तक स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को कोविड वैक्सीन की कुल 1,04,49,942 डोज लगाई गई हैं। इनमें से स्वास्थ्यकर्मियों को 70,52,845 डोज दी गई हैं जिसमें से पहली डोज 62,95,903 लाभार्थियों को जबकि दूसरी डोज 7,56,942 लाभार्थियों को दी गई है। अब तक 33,97,097 फ्रंट लाइन वर्कर्स को वैक्सीन की डोज दी गई है। मालूम हो कि देश में 16 जनवरी से कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू हुआ था। वैक्सीन की पहली डोज लेने वाले लोगों को 28 दिन पूरे होने के बाद 13 फरवरी से दूसरी खुराक लगाई जानी शुरू की गई है। अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों को दो फरवरी से कोविड वैक्सीन लगाई जानी शुरू की गई थी। टीकाकरण अभियान के 34वें दिन कुल 6,58,674 लोगों को वैक्सीन लगाई गई।

संक्षिप्त समाचार

मतांतरण पर मध्य प्रदेश के कानून के खिलाफ सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। मतांतरण के नियमन वाले मध्य प्रदेश के विवादित अध्यादेश की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी. रामासुब्रमणियन की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कार्यवाही के दौरान याचिकाकर्ता वकील विशाल ठाकरे से कहा, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से संपर्क कीजिए। हम हाई कोर्ट के विचार जानना चाहेंगे। हमने इसी तरह के मामले वापस हाई कोर्ट भेजे हैं। याचिका में कहा गया कि मध्य प्रदेश का कानून लव जिहाद के नाम पर उत्तर प्रदेश द्वारा बनाए गए इसी तरह के अध्यादेश का अनुसरण करता है। यह व्यक्ति के निजता और विकल्प चुनने के अधिकार का हनन करता है जो संविधान के अनुच्छेद-14, 19(1)(ए) और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले भी इस मसले पर कुछ अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था। हालांकि अदालत ने छह जनवरी को गैरसरकारी संगठन (एनजीओ) सिटीजंस फार जस्टिस एंड पीस व अन्य की उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के मतांतरण कानूनों के खिलाफ दायर याचिका पर दोनों राज्यों को नोटिस जारी किए थे। उसके बाद 17 फरवरी को शीर्ष अदालत ने एनजीओ को उसकी याचिका पर हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश को पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी थी।

मंगल पर नासा के रोवर की लैंडिंग के बीच इसरो का बड़ा एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का यान (पर्सिवेरेंस) शुक्रवार को तड़के 203 दिनों की यात्रा के बाद लाल ग्रह की सतह पर उतर गया। इसकी लैंडिंग भारतीय समयानुसार दो बजकर 25 मिनट पर हुई। अब तक के सबसे जोखिम भरे और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इस अभियान का उद्देश्य यह पता लगाना है कि मंगल ग्रह पर क्या कभी जीवन था। इस बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने एक बड़ी घोषणा की है। इसरो का कहना है कि मंगल पर उसका अगला अभियान एक ऑर्बिटर हो सकता है। इसरो ने अपनी मार्स ऑर्बिटर मिशन-2 की अगली योजना की घोषणा करते हुए कहा कि अब उसकी योजना भविष्य के प्रक्षेपण के मौके तलाशने के लिए मंगल पर एक ऑर्बिटर मिशन भेजने की है। हालांकि कुछ अन्य बड़ी परियोजनाएं भी कतार में हैं। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक मंगलयान की सफलता के बाद इसरो ने शुक्र ग्रह पर भी अभियान को भेजने का फैसला किया है। हालांकि जारी बयान में कहा गया है कि इसरो अभी चंद्रयान-3 और गगनयान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हाल में आई समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्टों में कहा गया था कि कोरोना संकट के चलते इसरो की परियोजनाओं में में देर हुई है। इसरो चंद्रयान -3 के जरिए एक बार फिर एक रोवर चंद्रमा की सतत पर उतारेगा।

आठ गुना बढ़ेगा उज्जैन का महाकाल मंदिर परिसर

उज्जैन, एजेंसी। मध्य प्रदेश की धर्मधानी उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर परिसर का क्षेत्रफल आठ गुना तक बढ़ने जा रहा है। मंदिर परिसर के विस्तार और क्षेत्र के सुंदरीकरण के लिए बनाई गई महाकाल रूद्रसागर एकीकृत विकास दृष्टिकोण (मृदा) योजना के तहत विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसमें श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने और सुगम दर्शन व्यवस्था को भी प्राथमिकता दी गई है। लगभग 500 करोड़ रुपए की इस योजना को दो चरणों में पूरा किया जाना है। पहले चरण के कार्य शुरू हो चुके हैं और इनमें से कई कार्य जून में पूरे हो जाएंगे। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा। मंदिर क्षेत्र विस्तार एवं विकास कार्यों के लिए कुल 223 परिवारों की जमीन अधिग्रहित की जाएगी। बदले में उन्हें मुआवजा स्वरूप 128 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मंदिर के सामने 70 मीटर क्षेत्र का भूअर्जन कर जमीन को मंदिर परिसर में सम्मिलित किया जाएगा। इससे 145 परिवारों की जमीन अधिग्रहित होगी। इसके अलावा महाकाल मंदिर एवं महाराजवाड़ा परिसर के बीच की सड़क चौड़ी करने के लिए छह परिवारों की, महाकाल मंदिर से महाकाल चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण के लिए 40 परिवारों की, सरस्वती शिशु मंदिर समानांतर मार्ग को चौड़ा करने के लिए 20 परिवारों की और बड़ा गणेश मंदिर से चौबीस खंभा माता मंदिर मार्ग तक मार्ग चौड़ा करने के लिए 12 लोगों की जमीन अधिग्रहित की जाएगी।

डॉ. रेड्डी लैब ने स्पुतनिक वी वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग के लिए शुरू की प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉ. रेड्डी लैब ने ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) के साथ रूस के स्पुतनिक वी वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालही में सफलतापूर्वक इसके तीसरे चरण का ट्रायल सामप्त हुआ है, जिसमें वैक्सीन 91.6 फीसद असरदार साबित हुई है। स्पुतनिक वी के तीसरे चरण के ट्रायल के अंतरिम विश्लेषण में वैक्सीन 91.6 फीसद तक असरदार दर्ज की गई है। तीसरे परीक्षण में रूस में 19,866 वॉलंटियर शामिल हुए थे। इनमें 60 साल से ज्यादा उम्र के 144 वॉलंटियर थे जिनमें 91.8 फीसद प्रभावकारिता दर्ज की गई थी। वैक्सीन की समीक्षा प्रक्रिया के तहत, दूसरे चरण के अध्ययन और तीसरे चरण का अंतरिम डाटा डॉ. रेड्डी की तरफ से 21 फरवरी को प्रस्तुत किया जा सकता है। सह-अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जी वी प्रसाद ने कहा, लैंसेट द्वारा स्पुतनिक वी की प्रभावकारिता 91.6 फीसद बताई गई, जो कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई में एक प्रभावशाली विकास है। उन्होंने एक बयान में कहा, भारत में स्पुतनिक वी वैक्सीन की त्वरित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण प्रक्रिया की शुरुआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मुख्यमंत्री त्रिवेद रावत ने "हिमाद्रि एम्पोरियम" का उद्घाटन किया

वी वी न्यूज

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि एम्पोरियम का उद्देश्य उत्तराखंड के हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों का विकास, विपणन एवं विक्रय है। इस एम्पोरियम की स्थापना से सदन में आने वाले अतिथि एवं आगंतुक उत्तराखण्ड के विभिन्न उत्पादों से परिचित हो सकेंगे। आत्मनिर्भर भारत के लिए शिल्पकारों और बुनकरों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। हमारी पूरी कोशिश है कि उत्तराखंड के हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों को अच्छी कीमत और मार्केट मिल सके। ऑनलाइन मार्केटिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उद्योग विभाग के अंतर्गत उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद राज्य के शिल्प उत्पादों के विकास, संरक्षण

एवं संवर्धन के क्षेत्र में कार्य करती है। परिषद द्वारा राज्य के बुनकरों व शिल्पियों के कौशल एवं उनके उत्पादों के डिजाइन, गुणवत्ता एवं बाजार की मांग के अनुरूप विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, मेलों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन व प्रतिभाग द्वारा प्रयास किए जाते रहे हैं।

परिषद द्वारा राज्य के उत्कृष्ट शिल्प उत्पादों का हिमाद्रि ब्रांड के अंतर्गत इस हेतु स्थापित विभिन्न एंपोरियमों के माध्यम से विपणन किया जा रहा है। इसी क्रम में नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड के शिल्प उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन हेतु हिमाद्रि एंपोरियम स्थापित किया गया है। उल्लेखनीय है कि इसके साथ-साथ उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पटेल नगर स्थित जिला उद्योग केंद्र परिसर में भी इसी वर्ष नए हिमाद्री एंपोरियम का शुभारंभ किया जाएगा। जनपद देहरादून स्थित दून हाट, जनपद पिथौरागढ़ के बिण, जनपद चमोली के भीमतल्ला एवं जनपद उधम सिंह नगर के काशीपुर स्थित रूरल हाटों के माध्यम से भी राज्य के हथकरघा एवं हस्तशिल्प एवं लघु उद्यम उत्पादों के विपणन एवं प्रदर्शन हेतु स्थापित किये जा रहे है जिससे कि विभिन्न प्रांतों से उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों एवं आगंतुकों को राज्य के उत्पादों से परिचित होने का अवसर प्राप्त हो सके। कोविड-19 में उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत परिषद द्वारा अमेजन के माध्यम से राज्य के बुनकरों तथा शिल्पियों के उत्पादों का ऑनलाइन विपणन का कार्य भी काफी समय से सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ राकेश कुमार, डॉ पराग मधुकर थकाते, विशेष सचिव मा मुख्यमंत्री, डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट अपर सचिव मा मुख्यमंत्री, ईला गिरी, अपर स्थानिक आयुक्त, सुधीर चन्द्र नौटियाल, निदेशक उद्योग, रंजन मिश्रा वरिष्ठ व्यवस्था अधिकारी, के सी चमोली नोडल अधिकारी उद्योग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे

एयरटेल ने नीरज झा को कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स का हेड किया नियुक्तन

देहरादून, संवाददाता। भारत के प्रमुख संचार समाधान प्रदाता भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने नीरज झा को कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स का हेड नियुक्त किया है। नीरज झा भारती एयरटेल लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ (भारत और दक्षिण एशिया) गोपाल विट्ठल को रिपोर्ट करेंगे और एयरटेल की ब्राण्ड एडवोकेसी, प्रतिष्ठा और संवाद प्रयासों के नेतृत्व के लिये जिम्मेदार होंगे। इसके अलावा, वे भारती ग्रुप की अन्य एंटाइटीज का निरीक्षण भी करेंगे और उन्हें अपना सहयोग देंगे। नीरज झा को पत्रकारिता और इंडस्ट्री में 24 वर्षों से ज्यादा का अनुभव है। एयरटेल में शामिल होने से पहले वे एचडीएफसी बैंक में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के हेड और कंपनी प्रवक्ता थे। बैंक में अपनी 14 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने बैंक के बिजनेस और डिजिटल क्षमताओं जैसे घटकों, इसकी प्रबंधन गहनता और मानवीय चेहरे का लाभ उठाया और ताकि बैंक में अपनी मजबूत छवि और नेतृत्वो पोजीशन बनाई जा सके।

हरिद्वार कुंभ- शाही स्नान के दिन वी आईपी मूवमेंट पर रोक

सागर मलिक

देहरादून। कुम्भ मेले के मद्देनजर डीजीपी अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में कुम्भ मेला-2021 में भीड़, यातायात एवं पुलिस प्रबन्धन को लेकर अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक का आयोजन पुलिस मुख्यालय सभागार में किया जा रहा है। बैठक में उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, चण्डीगढ़, जम्मू-कश्मीर, एनआईए, रेलवे सुरक्षा बल, आसूचना ब्यूरो के अधिकारियों सहित प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया जा रहा है। कुंभ मेले के आयोजन में समय भले ही सरकार ने कम किया हो लेकिन व्यवस्था के मद्देनजर कोई कमी न रहे इसके मद्देनजंर तमाम इंतज़ाम किये जा रहे है। खासतौर पर कुंभ में यातायात व्यवस्था और करोना को लेकर विशेष इंतजाम किया जा रहे है।

-देहरादून इंटरस्टेट कोर्डिनेशन बैठक में कुंभ मेला 2021 के लिए राज्यवार व एजेंसियों व उत्तराखंड राज्य पुलिस के मध्य निम्न बिन्दुओ पर चर्चा कर ये अहम निर्णय लिये गये।उत्तराखंड डीजीपी अशोक कुमार ने इस बैठक में कुम्भ को लेकर कई अहम निर्देश दिये जिसमे केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कुम्भ मेले के लिए जारी एसओपी का पूर्णत: से पालन करेंगे और जारी दिशा-निर्देशों का अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से भी प्रचार-प्रसार करेंगे, जो भी तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु उनके राज्य से कुम्भ मेले में आये वो कोविड की गाइडलाइन्स का अनुपालन करें। तीर्थयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को कुम्भ मेला के वेब पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करने और कोविड नेगिटिव रिपोर्ट की अनिवार्यता के सम्बन्ध में विस्तार से बताया और उसके प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया। सभी राज्यों द्वारा इस पर सहमति व्यक्त की गयी। शाही स्नानों के दिन वीआईपी मूवमेन्ट पर रोक रहेगी। वीआईपी यदि आना चाहते हैं तो वे एक साधारण श्रद्धालु की भांति ही आ सकते हैं। राज्यों एवं एजन्सियां द्वारा पूर्व की घटनाओं एवं कुम्भ के दौरान घटित घटनाओं राष्ट विरोधी तत्वों के सम्बन्ध में अभिसूचना साझा की और भविष्य में भी अभिसूचना का आदान-प्रदान व्हाट्सएप एवं अन्य माध्यमों से करने का निर्णय लिया गया। ट्रैफिक डायवर्जन में सीमावर्ती राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी सीमावर्ती राज्यों के नोडल अधिकारियों में समन्वय एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए उनका एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया जाएगा। प्रमुख स्नान वाले दिनों में यातायात का दबाव अधिक होने पर उत्तर प्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी और डायवर्जन शुरू किया जाएगा। इस सम्बन्ध में जल्द ही सभी सीमावर्ती जनपदों के पुलिस उपाधीक्षकों एवं थाना प्रभारियों एक बैठक हरिद्वार में आयोजित की जाएगी। रेलवे में अधिक भीड़ होने पर सीमावर्ती नजीबाबाद और सहारनपुर के रेलवे स्टेशनों को भी एक्टिव किया जाएगा। कुम्भ मेले के मार्गों पर सीमावर्ती राज्यों द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर एम्बूलेंस एवं क्रेन तैनात करने पर भी सहमति बनी। कुम्भ के दौरान सम्पर्क एवं संचार के लिए वायरलेस का उपयोग किया जाएगा और एक कॉमन फ्रिक्वेन्सी की व्यवस्था कर ली जाएगी।प्रत्येक राज्य एवं एजन्सी में एक वरिष्ठ अधिकारी को कुम्भ मेले में समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। कुम्भ मेले के दौरान प्रत्येक राज्य द्वारा सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की जाएगी और इससे प्राप्त सूचनाओं को तुरंत शेयर किया जाएगा।कुंभ मेले के प्रचार-प्रसार के लिए फेसबुक पेज भी बनाया गया है। इस पेज पर कुंभ से जुड़ी सभी सूचनाये श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही उत्तराखण्ड पुलिस के फेसबुक पेज और ट्विटर हैण्डल से भी ट्रैफिक प्लान और पार्किंग की जानकारी श्रद्धालु घर बैठे पा सकेंगे। अन्तर्राज्यीय अपराधियों के सम्बन्ध में विवरण, डोजियर्स आदि का आदान-प्रदान किये जाने, मानव तस्करी, जेब कतरों, ईनामी एवं वांछित अपराधियों की कड़ी नगरानी करने और इनके सम्बन्ध में जानकारी तुरन्त साझा करने पर बल दिया अन्तर्राज्यीय बैरियरों/चैक पोस्ट- चिड़ियापुर बैरियर, नारसन चैक पोस्ट, लखनौता चैक पोस्ट, काली नदी बैरियर एवं गौवर्धन चैक पोस्ट पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सीमावर्ती प्रदेशों के साथ संयुक्त चैकिंग की जाएगी।बैठक में श्री दीपक रावत, मेलाधिकारी, कुम्भ मेला एवं सभी राज्यों और एजेन्सियों के अधिकारियों द्वारा कुम्भ मेले की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अपने विचार साझा किये।

प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता में आएगी भाजपा, चौहान

जफर अंसारी

देहरादून संवाददाता। लाल कुआं विधानसभा सीट से भाजपा से विधायक पद के प्रबल दावेदार पवन चौहान का दावा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता में आएगी उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल है और लोग सुशासन के नाम पर भाजपा को 6 से भी ज्यादा सीटें जिता कर फिर से प्रदेश की बागडोर सौंपेंगे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष तथा जिला मंत्री का भी दायित्व निभा चुके पवन चौहान ने कहा कि प्रदेश में भाजपा के पक्ष में एक तरफा लहर है तथा गैर भाजपा दल कहीं दूर दूर तक भी दिखाई नहीं दे रहे हैं उन्होंने कहा कि सभी गैर भाजपाई दल अगर 2022

में अपनी सीटों की गिनती एक साथ करें तो भी उन सभी का आंकड़ा दहाई का अंक नहीं छू पायेगा उन्होंने कहा कि आज प्रदेश को कुशल एवं मजबूत नेतृत्व मिला है तथा मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अगुवाई में भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरी है उन्होंने कहा कि यही वजह है कि उत्तराखंड की जनता फिर से भाजपा के हाथों में सत्ता की चाबी सौंपने का मन बना चुकी है भारतीय जनता पार्टी से लाल कुआं विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद के प्रबल दावेदार पवन चौहान ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में सरकार ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा जनता को लाभ पहुंचाया है आज सुदूरवर्ती पर्वतीय अंचलों में भी विकास के नए आयाम स्थापित किए गए हैं और स्थानीय आधार पर भी लोगों को रोजगार मुहैया कराए जाने के काम किए गए हैं

बढ़ती महंगाई के विरोध में रुड़की कॉंग्रेस पार्टी ने पद यात्रा कर विरोध प्रदर्शन किया

रूड़की संवाददाता।आज अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री प्रीतम सिंह के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी रुड़की ग्रामीण क्षेत्र में प्रभारी श्री हाजी याकूब सिद्दीकी के नेतृत्व में जिला रुड़की ग्रामीण कलियर विधानसभा में दिनांक 2 फरवरी को रामपुर रोड महंत के पंप से लेकर रामपुर नवीन मंडी तिराहे तक पदयात्रा का एक सफल कार्यक्रम रुड़की ग्रामीण के कांग्रेस जनों द्वारा भाजपा सरकार के तीन काले कृषि कानून व पेट्रोल, डीजल तथा घरेलू गैस की कीमतों में की गई बेतहाशा वृद्धि के विरोध में किया गया।

कार्यक्रम में बोलते हुए जिला रुड़की ग्रामीण प्रभारी हाजी याकूब सिद्धकी ने कहा कि इस सरकार ने आम इंसान की कमर तोड़ दी है चारों तरफ महंगाई है बेरोजगार युवक को खरीदने के लिए पेट्रोल के पैसे नहीं है, महिलाओं को इतनी महंगी गैस खरीदने में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है हमारा अन्नदाता किसान सड़कों पर पड़ा है जिसका केंद्र सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा है और इस आंदोलन में 275 से ज्यादा लोग शहीद हो चुके हैं। मोदी सरकार द्वारा की गई नोटबंदी में भी 3 से ज्यादा लोग अपना दम तोड़ चुके हैं।आज इस बढ़ती महंगाई को लेकर सारे हिंदुस्तान परेशान हैं। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अरविंद प्रधान, पूर्व राज्य मंत्री नासिर परवेज, किसान नेता राजेंद्र चौधरी एडवोकेट,पूर्व झबरेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष मुन्फैत अली,रुड़की ग्रामीण कोऑर्डिनेटर जगदेव सिंह सेखों, कलियर अध्यक्ष सुभाष सैनी, झबरेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष अवनीश चौधरी, लंढौरा अध्यक्ष डॉक्टर मुस्तकीम आदि सभी ने मोदी सरकार द्वारा इस कमरतोड़ देने वाली महंगाई को लेकर अपना अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सलमान खान, पूर्व राज्य मंत्री परवेज अहमद, कांग्रेस नेता जितेंद्र पवार, प्रदेश अल्पसंख्यक महामंत्री नौशाद अली, प्रदेश आईटी सचिव पंकज सोनकर,अशोक कुमार थितकी, राजू भाई सैदपुरा, प्रताप सिंह धर्मपुर,अनुज सैनी,योगेश सैनी,सोनू सैनी मतलबपुर, मनोज कश्यप पंकज, मोहित सलेमपुर, कलियर आईटी अध्यक्ष भानु प्रताप, कांग्रेस नेता ईशा त्यागी, कांग्रेस नेता भूपेंद्र दीवान, महिला नेत्री निधि राणा, पूर्वा आईटी जिला ग्रामीण अध्यक्ष जसविंदर, विमल कुमार,सैफ अली,अनुज त्यागी,राजूवालिया,अभिनव कुमार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कलियर अध्यक्ष सुभाष सैनी व संचालन जगदेव सिंह सेखों द्वारा कि गयी।

संस्कृति विभाग के म्यूजियम में संरक्षित रखी गई 'केदारखण्ड' झांकी

देहरादून, संवाददाता। इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर तीसरे स्थान के लिए पुरस्कृत की गई उत्तराखण्ड की झांकी को गढ़ी कैंट स्थित संस्कृति विभाग के म्यूजियम/आडिटॉरियम में रखा गया है। राज्य गठन के बाद उत्तराखण्ड द्वारा अनेक बार प्रतिभाग किया गया परंतु यह पहला अवसर है जब उत्तराखण्ड की झांकी को पुरस्कुत किया गया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने इसे राज्य के लिए गौरव की बात बताते हुए झांकी को संस्कृति विभाग के म्यूजियम में संरक्षित किए जाने के निर्देश दिए थे। सचिव पर्यटन, संस्कृति व सूचना श्री दिलीप जावलकर ने गढ़ी कैंट में बन रहे संस्कृति विभाग के म्यूजियम/ आडिटॉरियम का निरीक्षण कर झांकी को रखे जाने के लिए स्थान निर्धारित किया। उन्होंने अधिकारियों को उक्त झांकी के उचित रखरखाव के निर्देश दिए। राजपथ, नई दिल्ली गणतंत्र दिवस समारोह में सूचना विभाग द्वारा उत्तराखण्ड राज्य की ओर से "केदारखंड" की झांकी को प्रदर्शित किया गया था। इसे लोगों द्वारा काफी सराहा गया था। झांकी के अग्रभाग में उत्तराखण्ड का राज्य पशु 'कस्तूरी मृग' दर्शाया गया है जो कि उत्तराखण्ड के वनाच्छादित हिम शिखरों में 3600 से 4400 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है। इसी प्रकार से उत्तराखण्ड का राज्य पक्षी 'मोनाल' एवं राज्य पुष्प 'ब्रह्मकमल' दिखाया गया है जो केदारखण्ड के साथ-साथ उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाता है। झांकी के मध्य भाग में भगवान शिव के वाहन नंदी को दर्शाया गया है तथा साथ में केदारनाथ धाम में यात्रियों को यात्रा करते हुए तथा श्रद्वालु को भक्ति में लीन दर्शाया गया है। झांकी के पृष्ठ भाग में बारह ज्योर्तिलिंगों में से एक बाबा केदार का भव्य मंदिर दर्शाया गया है जिसका जीर्णोद्धार आदिगुरू शंकराचार्य ने कराया था तथा मंदिर परिसर में श्रद्वालुओं को दर्शाया गया है साथ ही मंदिर को ठीक पीछे विशालकाय दिव्य शिला को दर्शाया गया है। दिल्ली से झांकी को एक स्पेशल ट्रोला में तीन दिन में देहरादून लाया गया। गौरतलब है कि गढ़ी कैंट, देहरादून में संस्कृति विभाग का म्यूजियम/ऑडिटॉरियम निर्माणाधीन है। इसके बनने के बाद "केदारखंड" की झांकी, आम लोगो के लिए उपलब्ध रहेगी।

संक्षिप्त समाचार....

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर

ऊधमसिंहनगर, संवाददाता। जिले के बाजपुर में शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक हादसे ने सबको दहला दिया। यहां हुए हादसे में तीन युवकों को डंपर ने कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की दोपहर बाजपुर में एक स्टोन क्रशर के सामने बाइक पर जा रहे तीन युवकों की टक्कर नील गाय से हो गई। नील गाय की टक्कर से बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गए। जिन्हें पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने रौंद डाला। हादसे के बाद दो युवकों की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं दिन–दहाड़े हुई इस घटना से आक्रोशित लोगों ने हंगामा कर दिया। हंगामा इतना बढ़ गया कि मौके पर जा के हालात पैदा हो गए। हादसे में मृतक अमन (22) और रोहित (15) गांव रतनपुरा के रहने वाले थे। घायल विनोद (22) भी गांव रतनपुरा बाजपुर का रहने वाला है। घटना के बाद स्थानीय लोगों द्वारा आसपास के थाना क्षेत्रों से पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कबजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के परिवार में हादसे की जानकारी के मातम फैल गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

होली के लिए शहर-गांव में आने लगे ढोलक बिक्रेता

रुद्रप्रयाग, संवाददाता। अभी होली के लिए काफी समय बचा है किंतु गांव और शहरों में ढोलक विक्रेता होली का माहौल तैयार करने लगे हैं। कई जगहों पर इन दिनों टोली में आए ढोलक विक्रेता ढोलक की थाप पर होली के गीत गा रहे हैं जबकि अनेक तालों से माहौल को होलीनुमा बनाने के प्रयास में जुटे हैं। हालांकि इन विक्रेताओं में ऑनलाइन बाजार के बढ़ते प्रचलन से मायूसी भी दिखी। मुख्यालय सहित जिले के अनेक स्थानों पर होली के ढोलक बेचने वालों की टोलियां पहुंचने लगी है। होली के मौके पर होल्यारों की टीमों के ढोलक प्रेम को देखते हुए यह विक्रेता गांव और शहरों में ढोलक बेचने जा रहे हैं। कुमाऊ से लेकर यूपी के विभिन्न क्षेत्रों से ढोलक विक्रेता पहाड़ में ढोलक बेचने आ रहे हैं। हल्द्वानी के ढोलक विक्रेता जीवाली ने बताया कि वह बीते 30 सालों से इस कारोबार से जुड़े हैं। पहले उनके पूर्वज यहां ढोलक बेचने आते थे और अब वह इस काम को आगे बढ़ा रहे हैं। कहा कि पहले ढोलक खरीदने वालों की संख्या काफी थी किंतु ऑनलाइन बाजार के चलते इस कारोबार में भी कमी आई है। हालांकि जो लोग हमसे ही ढोलक खरीदने के इच्छुक रहते हैं वह ग्राहक आज भी बरकरार है और उन्हीं को देखते हुए होली पर वह ढोलक बेचने आते हैं।

महिला सुरक्षा कानूनों का सही ढंग से क्रियान्वयन करने की जरूरत: विजय बड़थ्वाल

रूद्रपुर, संवाददाता। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विजय बड़थ्वाल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में महिला जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अध्यक्ष ने कहा कि सभी अधिकारी, एनजीओ के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्तियां, महिला सशक्तिकरण के विषय में जानकार है। उन्होने कहा कि हमारे ग्रामीण समाज मे जो महिलाऐं है, उनको अभी जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को उनके अधिकार व सशक्तिकरण के बारे मे जागरूक करें। जिससे अपने ऊपर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज उठा सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई पीड़ित महिला पुलिस के पास आती है तो पुलिस के अधिकारी उस पर तत्काल उचित कार्यवाही कर पीड़िता की सहायता करें। उन्होने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं की सुरक्षा हेतु जो कानून बनाये गये है, उनका सही ढंग से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है ताकि विषम परिस्थितियों में महिलाऐं आत्मनिर्भर हो सकें। जिससे उन पर होने वाले अत्याचारों पर अंकुश लग सके। उन्होने कहा कि जब महिला आर्थिक रूप से मजबूत होगी तभी वह अपनी साथ होने वाले अन्याय से लड़ सकती है एवं उससे ऊभर सकती है।

डीएम ने निर्माणाधीन कलैक्ट्रेट का निरीक्षण किया

अल्मोड़ा, संवाददाता। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आज स्यालीधार स्थित निर्माणाधीन नवीन कलैक्ट्रेट का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था व ठेकेदार को अवशेष कार्य जल्दी पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माणाधीन कलैक्ट्रेट में बने कमरों आदि का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कार्यों की गुणवत्ता व प्रगति पर संतोष जाहिर किया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में कार्य तेजी से चल रहा है और 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही कलैक्ट्रेट को यहॉ स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि रिकार्ड रूम के अलावा अन्य दस्तावेजों को स्थानान्तरित करने का कार्य एक–दो दिन में प्रारम्भ कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को बिजली, पानी व फर्नीचर की व्यवस्था जल्दी से जल्दी से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने नेटवर्क कनेक्टिविटी हेतु बीएसएनएल के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कलैक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि नये कलैक्ट्रेट में अधिकारियों व कर्मचारियों के कार्य करने व बाहर से आने वाले आगन्तुकों के बैठने के उचित व्यवस्था की गयी है जिससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ सके। इस अवसर पर आपदा प्रबन्धन अधिकारी राकेश जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मनोहर लाल, कलैक्ट्रेट के वरिष्ठ सहायक शशि मोहन पाण्डे, दीपक तिवारी आदि उपस्थित थे।

7 मार्च को होंगे व्यापार सभा के चुनाव

पौड़ी, संवाददाता। व्यापार सभा पौड़ी के चुनाव 7 मार्च को होंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने चुनाव कार्यक्रम तय कर दिया गया है। चुनाव कार्यक्रम के तहत 27 फरवरी को नामांकन पत्र जमा होंगे और 7 मार्च को मतदान होंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी कमलकिशोर रावत, चुनाव समंवयक वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि व्यापार सभा पौड़ी के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव 7 मार्च को होंगे। 27 फरवरी को नामांकन पत्र जमा होंगे। इसी दिन नामांकन पत्र की जांच होगी। 28 फरवरी को नामांकन पत्र वापसी और प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। 7 मार्च को मतदान, मतगणना और चुनाव परिणाम घोषित होंगे।

उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी राज्य के समग्र विकास का रोड मैप देने जा रही: नौटियाल

रुद्रप्रयाग, संवाददाता। उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी कि ओर से रुद्रप्रयाग के जीएमवीएन सभागार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी के जिला संयोजक रुद्रप्रयाग एवं संयोजक केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र उमेश नौटियाल द्वारा किया गया। उमेश नौटियाल ने स्थानीय मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि जिले में स्वस्थ्य सेवा की बदहाली और बेरोजगारी की समस्या चरम पर है। बड़े राजनीतिक दल दिल्ली से उत्तराखंड के किस्मत को लिखते और मिटाते हैं और यह सिलसिला बरसों से चलता आ रहा है। अब समय आ गया है कि हमें अपने क्षेत्र के राजनीतिक दल जैसे उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी द्वारा हर स्थानीय मुद्दों का हल निकालना ही पड़ेगा। उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी उत्तराखंड के विकास को लेकर प्रतिबद्ध है और वह उत्तराखंड के संपूर्ण एवं समग्र विकास का रोड मैप उत्तराखंड वासियों को देने जा रहा है।

उत्तराखंड का दोहन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एर्जेसी द्वारा कॉरपोरेट सरकार के माध्यम से किया जा रहा है एवं हमारे स्थानीय विकास और मुद्दों को नजरअंदाज करते हुए हमारी धरोहर को दिल्ली से आकलन किया जा रहा है। हम अपने संपूर्ण उत्तराखंड वासियों से अनुरोध करते हैं कि वे उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले और अपनी विकास और रोजगार की रेखा को अपने अनुसार तय करें। उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी राज्य के सभी लोगों को सामान्य रूप से देखती है एवं सभी को अपने क्षमता अनुसार काम करने का अवसर प्रदान करता है। आप यह देख सकते हैं कि रुद्रप्रयाग क्षेत्र में नमामि गंगे के माध्यम से विकास कार्यों का जो दोहन किया गया है एवं लोगों को विकास के नाम पर मूर्ख बनाया गया है यह जगजाहिर है। रुद्रप्रयाग के सुदूर क्षेत्र में स्वास्थ्य की सुविधा ऐसी है कि अगर आप श्रीनगर, देहरादून ना आए तो एक अल्ट्रासाउंड भी आप नहीं करा सकते, गंभीर बीमारी के इलाज की तो बात ही मत कीजिए। हमारे क्षेत्र में पलायन भी एक गंभीर मुद्दा है और हम यह देख सकते हैं कि हमारे गांव में हर घर से दो या तीन पुरुष दूसरे राज्य में अपनी रोजी–रोटी तलाशने जा रहे हैं। अगर हमें अपना रोजगार हमारे क्षेत्र में ही मुहैया करा दी जाए तो हम अपने क्षेत्र में रहकर रोजी रोटी कमा और खा सकते हैं। उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी के समान भाव के व्यवहार को इस रूप में देखा जा सकता है कि यदि कोई व्यक्ति महिला या पुरुष हमारे पार्टी में जुड़ते हैं तो उन्हें शुरुआती दौर में ही संयोजक का पद दिया जाता है जिससे ऊंच–नीच और भेदभाव ही खत्म हो जाता है। मैं सभी क्षेत्रवासियों से अनुरोध करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आप उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी से जुड़े और अपने प्रदेश की विकास को अपने हाथों से लिखें। प्रेस वार्ता में उत्तराखंड प्रगतिशील पार्टी कि ओर तपोवन–रैणी आपदा पर भी शोक जताई गई।

हरिद्वार कुंभ में केंद्र सरकार की टीम परखेगी कोरोना संक्रमण नियंत्रण की तैयारियां

वी वी न्यूज हरिद्वार

हरिद्वार। नेशनल सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल (एनसीडीसी) की टीम हरिद्वार महाकुंभ के दौरान संक्रमण जनित रोगों के नियंत्रण को लेकर मेला स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को परखेगी। 25 फरवरी टीम मेला क्षेत्र में सर्वे शुरू करेगी। इसके साथ टीम मेला स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित भी करेगी।

कुंभ आयोजन को लेकर केंद्र सरकार की टीम भी बेहद गंभीर

कोविड महामारी के बीच हरिद्वार में कुंभ आयोजन को केंद्र सरकार की टीम भी बेहद गंभीर है। राज्य के साथ केंद्र सरकार भी कुंभ की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी कर रही है। इसके लिए केंद्र ही टीम मेला प्रशासन, जिला प्रशासन, मेला स्वास्थ्य विभाग के साथ लगातार बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ले रही है।

मेला क्षेत्र का निरीक्षण करेगी एनसीडीसी की टीम

इसी क्रम में सोमवार को एनसीडीसी की टीम मेला क्षेत्र का निरीक्षण करेगी। टीम मेला क्षेत्र में तैयार हो रहे अस्पतालों, प्राथमिक उपचार केंद्र, कोविड जांच केंद्रों आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्थाओं की कार्यप्रगति का जायजा लेगी।

22 से 24 फरवरी के दौरान मेला क्षेत्र का निरीक्षण करेगी टीम

इसके साथ मेला स्वास्थ्य विभाग के साथ व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा भी होगी। इस दौरान टीम मेला स्वास्थ्य विभाग को विशेषज्ञ सुझाव भी देगी। टीम मेला स्वास्थ्यकर्मियों को संक्रमण जनित बीमारियों से बचाव और रोकथाम के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेगी।

एससीडीसी की टीम 22 से 24 फरवरी के दौरान मेला क्षेत्र का निरीक्षण करेगी।

टीम के द्वारा संक्रमण जनित रोगों से बचाव और रोकथाम के लिए मेला स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

- डॉ. अर्जुन सिंह सेंगर, मेलाधिकारी, स्वास्थ्य

नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा चेकिंग अभियान

देहरादून संवाददाता। सहसपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतरराज्यीय नशा तस्कर के तीन सदस्य आरोपी तस्करों से 2 लाख रुपये का गांजा बरामद

पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में आज सहसपुर पुलिस के हाथ उस वक्त बड़ी कामयाबी लगी जब गाँजे से भरे तीन बैग सहित अन्तर्राज्यीय नशा तस्कर गिरोह के तीस तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े। पुलिस द्वारा पकड़े गए , तस्करों के कब्जे से 54 किलो से 62 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है।जिसकी बाजरू किमत बीस लाख रूपये बताई जा रही है।

दरसअल सहसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सभावाला और धर्मावाला दो चौकियों की पुलिस टीमो ने सामूहिक रूप से इस कार्यवाही को अंजाम देते हुए, दूसरे राज्यों से उत्तराखंड मे हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए चैकिंग अभियान चलाया गया।इस दौरान गाँजे की बड़ी खेप समेत पकड़े गए तीन तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गए।बताया जा रहा है कि आरोपी तस्कर बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले है। जिन्होंने पुलिस को पूछताछ में बताया कि बिहार से सरकारी ट्रासपोर्ट बस या ट्रेन के जरिये वो गाँजे की तस्करी करते है और इस गाँजे को भी सेलाकुई फेक्ट्री एरिया के मजदूरों को बेचकर मोटा रुपया कमाने की फिराक में थे ।मामले मे पुलिस ने आरोपी तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुएक्क एक्ट में मुकदमा दर्ज कर तीनो अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

सर्व धर्म समाज

उत्तरांचल पंजाबी महासभा (रजि0), उत्तराखण्ड

Rajiv Ghai
State President

नियुक्ति पत्र

DATE-20/02/2021

श्री सागर मलिक जी
महानगर मीडिया प्रभारी
देहरादून

प्रिय बंधु,

आपने पंजाबी समाज की संस्कृति रीति रिवाज के उत्थान में बढ़ चढ़कर के काम किया है आपने समाज में भाईचारा बढ़ाने के लिए अपने को समर्पित किया और समाज को ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

हमें आपको संगठन का नेतृत्व" महानगर मीडिया प्रभारी देहरादून के रूप में नियुक्त करते हुए हर्ष एवं गर्व हो रहा है।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन के नियमों को प्राथमिकता देते हुए अनुशासन के साथ यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएंगे।

शुभकामनाओं सहित

Rajiv Ghai
प्रदेश अध्यक्ष

Sunil Arora
प्रदेश महामंत्री

G.S. Anand
प्रदेश संगठन मंत्री एवं गढ़वाल प्रभारी

धान के भुगतान मामले में सरकार के दावे हुए हवा-हवाई: मोर्चा

विकासनगर, संवाददाता। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार ने दावा किया था कि एक-आध महीने के भीतर किसानों के धान का भुगतान कर देंगे, लेकिन अधिकांश वास्तविक किसानों को आज तक धान का भुगतान नहीं किया गया, जिस कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। नेगी ने कहा कि किसानों ने एमएसपी के तहत धान बेचकर एक तरह से अपनी आफत मोल ले ली है द्यसरकार को सोचना चाहिए कि प्रदेश के अधिकांश किसान फसल बोते समय ही खाद-बीज उधार लेकर फसल तैयार करता है तथा फसल कटते ही उसको ऋणदाता का कर्ज चुकाना होता है। महत्वपूर्ण तथ्य है कि अगर किसान संपन्न होता तो उसे अपनी उपज बेचने की क्या जरूरत थी। वह उसका भंडारण कर कुछ समय पश्चात बेचकर मुनाफा कमा सकता था, लेकिन मजबूरी के चलते उसको अपनी उपज बेचने पड़ती है। नेगी ने कहा कि सरकार फिजूलखर्ची करने को बाजार से ऋण उठा सकती है, लेकिन इन गरीब किसानों को देने के लिए सरकार के पास धन नहीं है। मोर्चा ने किसानों के भुगतान के मामले में राजभवन को पत्र प्रेषित कर कार्रवाई की मांग की है। पत्रकार वार्ता में विजय राम शर्मा, दिलबाग सिंह, सुशील भारद्वाज आदि थे।

पैतृक सम्पति में खातेदार बनाना महिलाओं के लिए ऐतिहासिक निर्णय: भगत

देहरादून, संवाददाता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पैतृक सम्पति में महिलाओं को सह खातेदार बनाना ऐतिहासिक निर्णय है और इससे महिलाओं को निश्चित रूप से सुरक्षा कवच मिलेगा। भाजपा अध्यक्ष भगत ने कहा कि परित्यक्त और संतान विहीन महिलाओं को भी संपत्ति में अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से नारी शक्ति का सम्मान करती रही है और महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सामजिक भागेदारी के प्रति सचेत रहती है। भगत ने कहा कि आज पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण भाजपा सरकार की देन है। भगत ने कहा कि त्रिवेंन्द्र सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए लिया गया ये निर्णय महिलाओं को स्वालंबी बनाने के साथ उनके विकास के लिए हर क्षेत्र में निर्णायक सिद्ध होगा इससे महिलाओं के स्वरोजगार के लिए स्वरोजगार के द्वार भी खुलेंगे। भगत ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण व उनके विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाए चल रही है। महिलाओं की आर्थिक उन्नति एव सम्मान के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है और अभी कई योजनाओं पर कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले पुर्ववर्ती सरकारो में महिलाओं को महज वोट बैंक के रूप में उपयोग किया,जबकि भाजपा ने महिला सम्मान के लिए नई नजीर पेश की।

अंकिता ने अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता, शीर्ष 100 में जगह बनाना तय

मेलबर्न, एजेंसी। भारत की अंकिता रैना ने शुक्रवार को अपनी रूसी जोड़ीदार कैमिला रखिमोवा के साथ मिलकर फिलिप आइलैंड ट्राफी टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता जो उनका पहला डब्ल्यूटीए खिताब है। इस जीत से यह 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी महिला युगल रैंकिंग में अपने करियर में पहली बार शीर्ष 100 में भी शामिल हो जाएगी। अंकिता और कैमिला की जोड़ी ने फाइनल में अन्ना बिलिनकोवा और अनस्तेसिया पोटापोवा की रूसी जोड़ी को 2-6, 6-4, 10-7 से हराया। भारतीय खिलाड़ी ने इस जीत से अपनी रूसी जोड़ीदार के साथ 8000 डालर बांटे और उन्हें 280 रैंकिंग अंक मिले। इससे वह अगले सप्ताह जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 94वें स्थान पर पहुंच जाएगी। अंकिता अभी 115वें स्थान पर है। वह छह बार की ग्रैंडस्लैम चौंपियन सानिया मिर्जा के बाद शीर्ष 100 में जगह बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनेंगी। अंकिता ने शुक्रवार को

जीत से पहले आईटीएफ युगल खिताब और डब्ल्यूटीए 125के सीरीज जीती थी। पिछले दो सप्ताह अंकिता के लिये यादगार रहे। उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन के महिला युगल में भाग लेकर ग्रैंडस्लैम में पदार्पण किया और डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के एकल में मुख्य ड्रा का एक दौर का मैच जीता। अंकिता ने पीटीआई-से कहा, ''यह सप्ताह शानदार रहा। कैमिला और मैं पहली बार साथ में खेल रहे थे। हमने ड्रा से केवल 20 मिनट पहले हस्ताक्षर किये थे क्योंकि प्रवेश सूची को लेकर काफी भ्रम बना हुआ था। कैमिला आक्रामक होकर खेलती और उनके स्ट्रोक शानदार हैं। मैंने उसे केवल आक्रामक बने रहने के लिये कहा और उसने ऐसा किया। '' उन्होंने कहा, ''पहला डब्ल्यूटीए खिताब और युगल रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह मिलना शानदार है। मैं अब एकल के शीर्ष 100 में जगह बनाने पर ध्यान दूंगी।

नीलामी में नहीं बिके इंग्लैंड के विस्फोटक ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन का आयोजन इसी साल अप्रैल में किया जाना है। गुरुवार को चेन्नई में टूर्नामेंट के आयोजन से पहले खिलाड़ियों की नीलामी की गई। यहां साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर क्रिस मौरिस को सबसे ज्यादा 16.25 करोड़ की बोली लगाकर खरीदा गया। वहीं इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जेसन रॉय के लिए किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई। अनसोल्ड रहने के बाद रॉय ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिमिटेड ओवर के ओपनर बल्लेबाज जेसन को तूफानी पारियों के लिए जाना जाता है। पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा रहे इस बल्लेबाज ने निजी कारणों से टूर्नामेंट में नहीं खेलने का फैसला लिया था। जेसन की जगह पर दिल्ली की टीम में डेनियल सैम्स को शामिल किया गया था। इस साल की हुई नीलामी से पहले दिल्ली की टीम ने जेसन को रिलीज कर दिया।

श्रीलंका के अनुभवी गेंदबाज ने की संन्यास की घोषणा,मीडिया बना सकती है तो बिगाड़ भी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट टीम के अनुभवी गेंदबाज दमिका प्रसाद ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 37 साल के इस खिलाड़ी ने आखिरी बार 2015 में अपनी टीम की तरफ से कोई मैच खेला था। प्रसाद ने संन्यास की आधिकरिक घोषणा की जिसकी पुष्ठी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने भी की है। गुरुवार को ही दमिका ने इस बात की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को दे दी थी। पिछले 6 साल के टीम में वापसी का इंतजार कर रहे 37 साल के दमिका प्रसाद ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। श्रीलंका की तरफ से 25 टेस्ट, 24 वनडे और 1 टी20 मैच खेलने वाले प्रसाद ने गुरुवार को ही संन्यास का फैसला कर लिया था। टेस्ट में उनके नाम 75 जबकि वनडे में 32 विकेट है। प्रसाद ने कहा, मैंने हर एक पल का मजा उठाया। मार्वन अट्टापट्टू वो शख्स थे जिन्होंने मुझे एसएससी में बुलाया था। मुझे माइकल डि जोएसा और महेंद्रा हालांगोडा जैसे लोगों के काफी समर्थन मिला। मुझे कई लोगों को शुक्रिया कहना है, ईश्वर, माता पिता, मेरी पत्नी, मेरे स्कूल, सभी कोच, पिच क्यूरेटर, टीम के साथ खिलाड़ी, मेरे समर्थक और बिल्कुल मीडिया को। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपने करियर के शुरू में ही इस बात का पता चल गया था कि मीडिया आपको बना सकती है या बिगाड़ सकती है। उस दिन से आज तक मेरा किसी भी पत्रकार के साथ कोई भी मसला नहीं हुआ। मैं उनके साथ हमेशा ही अच्छे से बर्ताव करता नजर आया।

यूरोपा लीग में मैनचेस्टर युनाइटेड और टोटेनहैम की हुई दमदार जीत

बर्लिन, एजेंसी। ब्रूनो फर्नांडिस के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इटली में स्पेनिश टीम रीयाल सोसिडाड को 4-0 से करारी शिकस्त देकर यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाये। पहले चरण का यह मैच गुरुवार को तूरिन में खेला गया। कोरोना वायरस से जुड़े यात्रा प्रतिबंधों के कारण कई मैचों के स्थानों को बदला गया है। इससे ब्रिटेन की टीमें अधिक प्रभावित हुई। पुर्तगाल के बेनफिका को आर्सनल की मेजबानी रोम में करनी पड़ी। यह मैच 1-1 से ड्रा रहा। टोटेनहैम ने आस्ट्रियाई टीम वोल्फसबर्ग को हंगरी के बुडापेस्ट में 4-1 से हराया। जर्मनी की होफेनहीम टीम भी यात्रा प्रतिबंधों के कारण प्रभावित हुई। उसने नार्वे की टीम मोल्डे के खिलाफ अपना मैच स्पेन में विल्लारीयाल क्लब के स्टेडियम में खेला। यह मैच 3-3 से बराबर रहा। विल्लारीयाल ने आस्ट्रिया में सेल्जबर्ग को 2-0 से हराया।

व्यापार

नहीं थम रही शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 435 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स बिकवाली दबाव में 435 अंक लुढ़क कर 51,000 अंक के नीचे बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 15,000 अंक के नीचे आ गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 434.93 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,889.76 अंक पर बंद हुआ। बैंक और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव से सेंसेक्स नीचे आया। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 137.20 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,981.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में ओएनजीसी रही। इसमें 5.06 प्रतिशत की गिरावट आयी। एक दिन पहले, इसमें सर्वाधिक तेजी दर्ज की गयी थी। जिन अन्य शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एसबीआई, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं। इनमें 3.77 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक, एचयूएल, डा. रेड्डीज, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व में तेजी रही। इनमें 1.97 प्रतिशत तक की तेजी आयी। सप्ताह केदौरान, सेंसेक्स 654.54 अंक यानी 1.26 प्रतिशत नीचे आया जबकि निफ्टी में 181.55 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की गिरावट आयी। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बुनियादी शोध मामलों के प्रमुख आर ओझा ने कहा, ''निफ्टी-50 और बीएसई सेंसेक्स में इस सप्ताह 1.2 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसका कारण वैश्विक और स्थानीय तौर पर बांड पर रिटर्न बढ़ने से बाजार में निवेशकों का रुख सतर्क बना हुआ है। एनएसई मिडकैप 100 सूचकांक और बीएसई स्मॉल कैप सूचकांक इस सप्ताह लाभ में रहे। अमेरिका में 10 साल के बांड पर रिटर्न एक प्रतिशत से बढ़कर 1.29 प्रतिशत पहुंच गया है...।'' उन्होंने कहा, ''भारत में भी 10 साल के बांड पर रिटर्न 5.76 प्रतिशत से बढ़कर 6.13 प्रतिशत पहुंच गया है। यह उच्च राजकोषीय घाटे के अनुमान से जुड़ा हो सकता है...।

सोना हुआ सस्ता, चांदी में भी गिरावट; जानें क्या चल रहे हैं नए रेट

नयी दिल्ली, एजेंसी। बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में गिरावट आने के बाद दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 239 रुपए टूटकर 45,568 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार बृहस्पतिवार को सोना 45,807 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 723 रुपये की गिरावट के साथ 67,370 रुपये प्रति किलो पर आ गयी। बहुमूल्य धातु का पिछला बंद भाव 68,093 रुपये प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,774 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया जबकि चांदी 26.94 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

बैंक निजीकरण के खिलाफ संगठनों का विरोध प्रदर्शन, किया संसद घेरने का ऐलान

नयी दिल्ली, एजेंसी। बैंक कर्मचारी संगठनों ने केंद्र द्वारा निजीकरण की योजना के विरोध में शुक्रवार को सभी राज्यों की राजधानियों में विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे मार्च में संसद का घेराव करेंगे। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) ने एक बयान में यह जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस महीने की शुरुआत में अपने बजट भाषण के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। एआईबीईए ने बयान में कहा कि यूनाइटेड फोरम ऑफ यूनियंस के बैनर तले नौ यूनियनों एआईआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ, आईएनबीओसी, एनओबीडब्ल्यू और एनओबीओ के लगभग 10 लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारी मिलकर सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। एआईबीईए ने बताया कि शुक्रवार के धरने के बाद बैंक संगठन अगले 15 दिनों के दौरान देश भर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। बयान में आगे कहा गया, ''हम 10 मार्च को बजट सत्र के दौरान संसद के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा मेयर गौरव गोयल समेत 6 खिलाफ मुकदमा दर्ज

वी वी न्यूज़

रूड़की। महिला से छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में कोर्ट के आदेश पर मेयर गौरव गोयल उनके भाई समेत 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़ित की ओर से करीब एक माह पहले कोतवाली में तहरीर दी गयी थी लेकिन पुलिस ने बयान आदि दर्ज करने के बाद भी मामले में मुकदमा दर्ज नही किया था।

9 जनवरी को एक महिला ने रुड़की गंगनहर कोतवाली पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया था कि उसका पति मेयर गौरव गोयल के कार्यालय पर काम करता था। आरोप लगाया था कि मेयर ने उनका 15 महीने का वेतन नही दिया था जब वेतन के सम्बंध में उसके पति ने मेयर से बात की और कई लोगों से कहा तो मेयर ने उसके पति को अपने घर बुलाया जिस पर वह अपनी मां के साथ 22 दिसम्बर को मेयर के घर गया। आरोप लगाया था कि घर मे उंस समय मेयर गौरव गोयल उनका भाई राजीव गोयल और आलोक सैनी मौजूद थे। तीनों लोगों द्वारा उनके पति को घर पर बुलाकर गाली गलौज करते हुए बदनाम करने की बात कहते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की जिससे कि मेरे पति की हड्डी भी टूट गई तभी गौरव गोयल ने मेरे पति को

झूठे केस में फंसाकर जेल भिजवा दिया।

उसके बाद 25 दिसंबर को गौरव गोयल ने एक व्यक्ति को मेरे घर भेजा उस व्यक्ति ने मेरे घर पहुंचकर मुझसे कहा कि यदि आप अपने पति को जेल से छुड़वाना चाहती हो तो मेयर गौरव गोयल से उनके घर जाकर मिले तभी मैं अपनी सास के साथ उनके घर गई जिसके बाद उन्होंने मेरी सास को बाहर बैठने की बात कहते हुए मुझको अकेले में अंदर बुला कर मेरे साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करने की कोशिश की उसका मैंने विरोध किया और वहां से वापस अपने घर आगई जब मेरे पति जेल से छूटकर आए तबी मैंने अपने पति से ये बात कही तभी मेरे पति ने मुझको मेयर गौरव गोयल के द्वारा की गई इस हरकत की तहरीर पुलिस को देने की बात कही जिस के बाद पीड़ित महिला के द्वारा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई थी।वहीं इसके अलावा 24 जनवरी को भी मेयर के साथियों द्वारा एसडी इंटर कॉलेज के समीप मारपीट का आरोप महिला ने लगाया था। मामले की शिकायत 29 जनवरी को एसएसपी हरिद्वार से भी की गई।। तहरीर देने के बाद मेयर ने भी समर्थकों के साथ कोतवाली घेरी थी और कर्मचारी और उसकी पत्नी द्वारा उन पर झूठे आरोप लगाकर तहरीर देने की बात कहते हुए कर्मचारी और उसकी पत्नी पर कार्रवाई की मांग की थी। उसके बाद पुलिस ने कर्मचारी की पत्नी पर दी गयी तहरीर के आधार पर मेयर के बयान भी दर्ज किए थे लेकिन एक माह से अधिक बीतने पर भी मामले में मुकदमा दर्ज नही हुआ तो कर्मचारी और उसकी पत्नी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब कोर्ट के आदेश पर 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कर्मचारी की ओर से अधिवक्ता सलमान आसिफ ने बताया कि मेयर गौरव गोयल, उनके भाई राजीव गोयल, आलोक सैनी, मनोज कश्यप, सार्थक गोयल और अनुज सिंह के खिलाफ़ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं कोतवाली प्रभारी मनोज मेनवाल ने भी मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि की है

अब थानों में शिकायती पत्र देने वाले हर फरयादी को मिलेगी रिसीविंग

देहरादून संवाददाता। अब हर थाने में न केवल शिकायतकर्ता की समस्या सुना जाएगा बल्कि शिकायत पत्र रिसीव कर उन्हें रिसीविंग भी मिलेगी।

अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने प्रार्थना पत्र रिसीविंग की पद्धति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी जनपद प्रभारियों को प्रत्येक थाने पर गठित महिला हेल्प डेस्क को यह जिम्मेदारी देने हेतु निर्देशित किया है।

महिला हेल्प डेस्क में नियुक्त कर्मी न केवल थाने में आने वाले हर आगंतुक, शिकायतकर्ता, पीड़ित को अटेंड करेंगे बल्की उनसे प्रार्थना पत्र रिसीव कर उन्हें उसकी रिसीविंग भी देंगे।

अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने बताया कि प्रत्येक थाने पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क रिसेप्शन सेंटर के रुप में काम करेगा, जिसमें रिसेप्शन रुम के अनुसार आगुन्तक/शिकायतकर्ता/पीड़ित के लिए उचित सुविधाएं जैसे बैठने के लिए सहज व सुगमता पूर्ण व्यवस्था आदि होगी। महिला हैल्प हेस्क में नियुक्त कर्मचारी करुण व सरल स्वभाव वाले होंगे तथा पीड़ित, दिव्यांगजन के प्रति संवेदनशीलपूर्वक व्यवहार करेंगे। यदि कोई पीड़ित/शिकायतकर्ता अपने साथ लिखित प्रार्थना पत्र नहीं लाया है तो उन्हें स्टेशनरी भी उपलब्ध कराएंगे।

महिला हेल्प हेस्क में नियुक्त कर्मचारी प्रतिदिन प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्र सूचनाओं को एक रजिस्टर में अंकन करेंगे, जिसे प्रतिदिन थाना प्रभारी द्वारा, 15 दिवस में क्षेत्राधिकारी द्वारा, 3 दिवस में पुलिस अधीक्षक द्वारा व प्रत्येक तिमाही/आकस्मिक रूप से जनपदीय प्रभारी द्वारा चैक किया जायेगा।

हेल्प डेस्क कर्मचारी द्वारा जांचकर्ता अधिकारी द्वारा अथवा थाना प्रभारी द्वारा कर्तव्यपालन में लापरवाही बरते जाने पर जवाबदेही तय करते हुये सम्बन्धित के विरूद्ध जनपदीय प्रभारी द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

रुड़की मेयर के खिलाफ सड़कों पर उतरी आम आदमी पार्टी, जोरदार किया प्रदर्शन

वी वी न्यूज़

देहरादून। आम आदमी पार्टी रुड़की ज़ोन कार्यकर्ताओ ने नगर निगम रुड़की गेट के सामने इकट्ठे होकर भाजपा के मेयर के खिलाफ ज़ोरदार प्रदर्शन कर इस्तीफा मांगा। आम आदमी पार्टी ने भाजपा मेयर के ऊपर संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमे के आधार पर कहा निष्पक्ष जांच के लिए मेयर को पद से इस्तिफा दे देना चाहीए।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष शारिक अफ़रोज़ ने कहा क्षेत्र में भाजपा के विधायक है, भाजपा के मंत्री हैं, राज्य में भाजपा की सरकार और केंद्र में भाजपा की सरकार ऐसे में भाजपा मेयर अपने पद पर बने रहे तो निष्पक्ष जांच असम्भव है अत: पूरी जांच होने तक उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

रुड़की ज़ोन के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी ने कहा संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करने

में पुलिस प्रशासन ने 2 महीने का वक़्त लगाया और कोर्ट से निर्देश के बाद ही मुकदमा दर्ज हो सका ऐसे में पद पर बने रहते, भाजपा मेयर में जांच प्रक्रिया को प्रभावित्त कर सकते हैं। अत: उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। वरिष्ठ आप नेता अमजद उस्मानी ने कहा कि रुड़की प्रथम नागरिक के पद की गरिमा को ठेंस पहुंची है, भाजपा मेयर को पद पर रहने का कोई अधिकार नही है। आप नेता प्रेम सिंह ने कहा की महिलाओं के विरोध में हमेशा भाजपा ही आरोपियों को संरक्षण देती देती है। शाह वक़ार चिश्ती ने कहा कि भाजपा महिला विरोधी है।संगठन मंत्री अनिल कश्यप ने आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओ को इस आंदोलन को व्यापक करने का आह्वान किया। इस मौके पर शाह वक़ार चिश्ती,प्रेम सिंह , सुरेंद्र शर्मा,ओमवीर यादव,मोहम्मद नदीम,सुफियान,राव तनवीर,महक सिंह सैनी,दुष्यंत महारथी,अनिल कश्यप, विशाल, जीतेन्द्र मालिक, महक सिंह सैनी, सुनील सिंघल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयुष्मान के नाम से बनेगा गोल्डन कार्ड

वी वी न्यूज

देहरादून। अटल आयुष्मान योजना के तहत अब लाभार्थियों का एक ही गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा। इस संबंध में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को गोल्डन कार्ड पर अनिवार्य रूप से आयुष्मान का नाम लिखना होगा। इससे लाभार्थियों को जारी होने वाले गोल्डन कार्ड में एकरूपता रहेगी। साथ ही सूचीबद्ध अस्पतालों को भी अलग-अलग कार्डों से संशय की दिक्कत नहीं रहेगी।

अटल आयुष्मान योजना के तहत वर्तमान में लाभार्थियों के तीन तरह के गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। उत्तराखंड में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5.37 लाख परिवार शामिल हैं। प्रदेश सरकार ने आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाकर प्रदेश के 23 लाख से अधिक राशन कार्ड धारकों को भी शामिल किया है।

वहीं, कर्मचारियों, पेंशनरों के लिए कैशलेस इलाज के लिए राज्य स्वास्थ्य स्कीम शुरू की है। ये तीनों आयुष्मान योजना में शामिल है, लेकिन लाभार्थियों के अलग-अलग गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। कर्मचारियों व पेंशनरों के गोल्डन कार्ड में राज्य स्वास्थ्य योजना का लोगों लगाया जा रहा है। इससे लाभार्थियों को योजना के तहत इलाज कराने में दिक्कतें आ रही है।

आयुष्मान योजना के तहत चलाई जा रही है अलग-अलग स्कीम

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को जारी दिशानिर्देश के अनुसार प्रदेश सरकारों की ओर से आयुष्मान योजना के तहत अलग-अलग स्कीम चलाई जा रही है। जिससे गोल्डन कार्ड में एकरूपता न होने से सूचीबद्ध अस्पतालों के सामने कार्ड लेकर संशय है। केंद्र ने आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को एक ही तरह के गोल्डन कार्ड बनाने को कहा है। जिसमें आयुष्मान कार्ड अनिवार्य रूप से लिखा जाए।

राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अध्यक्ष डीके कोटिया का कहना है कि

अटल आयुष्मान योजना के तहत अभी तक अलग-अलग लोगों के गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। केंद्र ने सभी लाभार्थियों को जार होने वाले कार्ड पर अनिवार्य रूप से आयुष्मान कार्ड लिखने को कहा है।

उत्तराखंड समेत अन्य कई राज्यों में आयुष्मान योजना को अलग-अलग नाम दिया गया है। आयुष्मान कार्ड लिखने से गोल्डन कार्ड में एकरूपता आएगी। इससे लाभार्थियों का इलाज कराने में सूचीबद्ध अस्पतालों को किसी तरह कोई आपत्ति नहीं रहेगी।

सप्तहिक वैशवारा समाचार पत्र के प्रतिनिधिगण

राजपाल रावत मो०9760472137
प्रशांत राजपूत मो० 8010122003
जी.एस.आनंद मो०9897009013,
दीपक जेठी मो० 7500112415
दिनेश कुकरेती मो० 9837161518
जफर अंसारी मो० 9917713777
नसीम मलिक मो० 6395094637
सुशील मिस्रा मो० 8126252681
हेम चंद्र लोहनी मो० 8859802990
सेवा सिंह मठारू मो० 8279921954

वैशवारा पत्र के प्रधान संपादक रमाकांत पाडेंय (गोपालपुरी) के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक सागर मलिक द्वारा कन्हैया विहार देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित किया। स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सागर मलिक ने डी.जी. प्रिंटर्स 48/1 घोषी गली दे०दून उत्तराखंड से प्रकाशित किया।

संपादक
सागर मलिक
मो 9410149826
अतिथि लेखक
राकेश कुमार भाटी
मो 9557777555
प्रंशात राजपूत
मो 8010122003
सहसंपादक- जी.एस. आनंद
मो-9897009013
सहसंपादक- बलबीर कुमार तलवाड़ मो 6398779475
कानूनी सलाहकार
एडवोकेट अरविंद सिंह
बिकेश सिंह नेगी
Email:
vvnewsvaashvara.123@ gmail.com